उन्नत

जासूस

परमेश्वर के राज्य की छान बीन

छात्र पुस्तक
उन्नत

जासूस

परमेश्वर के राज्य की छानबीन

अपने मैग्निफाईंग ग्लास (अति सुक्ष्म दर्शी) और गुप्त डिकोडर को ले लें क्योंकि...

यह समय **परमेश्वर के वचन** में उतरने का है।

यीशु द्वारा मत्ती की पुस्तक में दिये दृष्टान्त हमेशा से मेरे मुख्य भाग रहे हैं। एक तरफ तो यह कार्य हमारे द्वारा किये कार्यों में अति साधारण हैं, परन्तु यदि आप यीशु के दृष्टान्तों के विषय में सोचें तो उनमें छिपे संदेशों में कुछ भी साधारण न था। यीशु ने भीड़ से दृष्टान्तों के स्वरुप में (पहेलियों) बातें की और लोगों को उसकी शिक्षाओं का अर्थ समझा दिया।

शिक्षक होने के नाते आपका कार्य है कि छात्रों की सोच को पंख लगने दें, कि वे उड़ें और स्वयं को एक जासूस समझें।

जितना अधिक आप छात्रों को उनकी स्वतन्त्र सोच से खोजने देगें, वे उतना ही अधिक गहराई से प्रत्येक अध्याय को समझेगें।

इस पाठ्यक्रम में, ''जासूसः परमेश्वर के राज्य की छानबीन'' आपको अपनी कक्षा के अध्ययन को सफल बनाने हेतु कुछ एक भिन्न बातों को करना होगा –

परमेश्वर का राज्य कहाँ है?

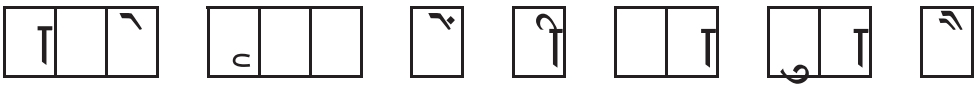

हर सप्ताह एक गुप्त कोड पन्ने पर कहीं तो छिपा हुआ होगा। आपके गुप्त डिकोडर से आप को उसकी जांच करनी होगी और प्रत्येक अक्षर का पता लगाओ और पहेली का हल निकालो। प्रत्येक खाने में प्रत्येक सप्ताह में के अक्षर को जोड़ें और इस इकाई के अंत में, आपको आपका जवाब मिल जाएगा!

यीशु के पदचिह्नों को ढूंढों और जब आपको मिल जाएं इसका अनुसरण करो!

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

कि	सा	न	ब	ग	पौ	धों	अ	इ	द	उ	पं	ए
ग	ब	अ	बो	ना	इ	अ	द	सु	उ	ए	छी	क
म	त	भू	त	ज	फ	व	च	न	ि	ह	ी	र
कां	ल	मि	न	प	स	म	झ	ना	र	ा	स	म
टों	व	च	क	फ	ल	त	ज	ल	न	सू	प	व
ह	छ	म	ि	घु	ट	इ	द	उ	ए	र	च	मा
अ	च्छा	ी	दि	ल	उ	ब	क	ि	बी	ज	ब	र्ग
र	ा	ब	अ	इ	द	ढ़ी	ह	ी	र	ा	स	य

पदचिन्ह 1

बीज बोनेवाला

मत्ती 13:3–23

3 और उस ने उन से दृष्टान्तों में बहुत सी बातें कही, कि देखो, एक बोनेवाला बीज बोने निकला। 4 बोते समय कुछ बीज मार्ग के किनारे गिरे और पक्षियों ने आकर उन्हें चुग लिया। 5 कुछ पत्थरीली भूमि पर गिरे, जहां उन्हें बहुत मिट्टी न मिली और गहरी मिट्टी न मिलने के कारण वे जल्द उग आए। 6 पर सूरज निकलने पर वे जल गए, और जड़ न पकड़ने से सूख गए। 7 कुछ झाड़ियों में गिरे, और झाड़ियों ने बढ़कर उन्हें दबा डाला। 8 पर कुछ अच्छी भूमि पर गिरे, और फल लाए, कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, कोई तीस गुना। 9 जिस के कान हों वह सुन ले।।

इस दृष्टान्त में भूमि किसको प्रदर्शित करती है ?

वो एक क्या बात है, जो आपके जीवन की उपलब्धियों पर रोक लगा सकती है ?

जो भी समय और धन आप प्रभु के लिए देते हैं उससे भी बढ़कर आपको क्या करने की आवश्यकता है कि आपको 30, 60 और 100 गुना सफलता मिले ?

अच्छी मिट्टी होने के लिए आपको सर्वप्रथम क्या करने की आवश्यकता है ?

परमेश्वर के विषयों में प्रतियोगी होना क्या अच्छा है ?

आपके हृदय की मिट्टी अच्छी बनाने की जिम्मेदारी किसकी है ?

शब्द ढूंढ़ों

समझना	पौधों	भूमि	मार्ग	पंछी
छम घुट	बीज	वचन	बोना	सूरज
किसान	अच्छा	फल	फसल	
कांटों	सुनना	दिल	बढ़ी	

गुप्त संदेश

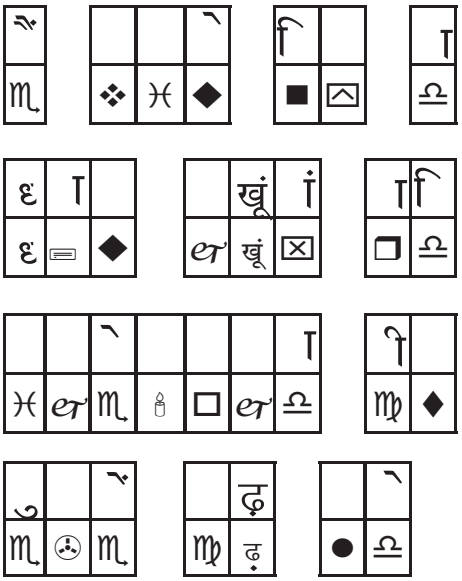

याद करो

जो अच्छी भूमि में बोया गया, यह वह है, जो वचन को सुनकर समझता है, और फल लाता है कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, कोई तीस गुना। मत्ती 13:23

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती *1-3*

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पदचिन्ह 2

जंगली पौधे

मत्ती 13:24–30

24 उस ने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया कि स्वर्ग का राज्य उस मनुष्य के समान है जिस ने अपने खेत में अच्छा बीज बोया। 25 पर जब लोग सो रहे थे तो उसका बैरी आकर गेहूं के बीच जंगली बीज बोकर चला गया। 26 जब अंकुर निकले और बालें लगी, तो जंगली दाने भी दिखाई दिए। 27 इस पर गृहस्थ के दासों ने आकर उस से कहा, हे स्वामी, क्या तू ने अपने खेत में अच्छा बीज न बोया था? फिर जंगती दाने के पौधे उस में कहां से आए? 28 उस ने उन से कहा, यह किसी बैरी का काम है। दासों ने उस से कहा क्या तेरी इच्छा है, कि हम जाकर उन को बटोर लें? 29 उस ने कहा, ऐसा नहीं, न हो कि जंगती दाने के पौधे बटोरते हुए उन के साथ गेहूं भी उखाड़ लो। 30 कटनी तक दोनों को एक साथ बढ़ने दो, और कटनी के समय मैं काटनेवालों से कहूंगा; पहिले जंगली दाने के पौधे बटोरकर जलाने के लिये उन के गट्ठे बान्ध लो, और गेहूं को मेरे खत्ते में इकट्ठा करो।।

ब	अ	इ	क	ट्ठा	त	ज	ल	न	बी	ज
ष	इ	द	ट	इ	द	उ	ए	बो	त	ज
त्रु	उ	ए	नी	ब	अ	खीं	च	ना	ल	न
ह	यी	क	ख	त्ते	क	ि	ह	ी	र	ा
ी	षु	ि	जं	ग	ली	क	पौ	धें	ए	अ
र	ा	म	त	सो	ल	न	प	ब	अ	च्छा
स्व	उ	खा	ड़	ना	ज	ब	ढ़	ना	इ	द
र्ग	ल	न	प	दा	सों	म	त	गे	हूँ	उ

शब्द ढूंढ़ो

कटनी	इकट्ठा	जंगली पौधें	बोना
सोना	उखाड़ना	गेहूँ	खींचना
स्वर्ग	बढ़ना	यीषु	खत्ते
दासों	अच्छा	षत्रु	बीज

गुप्त संदेश

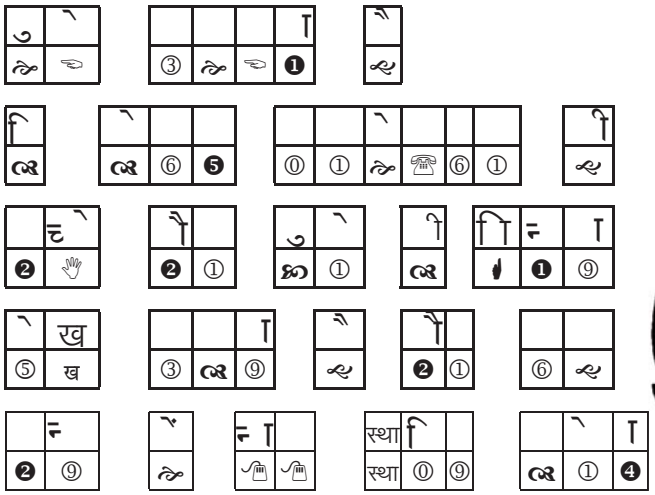

किसी एक व्यक्ति का उदाहरण दें, जिसे आपने पिछले सप्ताह कुछ गलत करते देखा और वो

पकड़ा भी नही गया।
फिर किसी ऐसे व्यक्ति का उदाहरण दें जो गलती करते हुए पकड़े जाने के

बाद भी दण्ड नही पाता। वो अपने किये का दण्ड कब पायेंगें ?

दुनिया का अन्त क्या है ?

क्या दूसरों के पापों पर उंगली उठाना हमारा कार्य है ?

याद करो

मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा, और वे उसके राज्य में से सब ठोकर के कारणों को और कुकर्म करनेवालों को इकट्ठा करेंगे। उस समय धर्मी अपने पिता के राज्य में सूर्य की नाई चमकेंगे। मत्ती 13:41, 43

⓪

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती *4-6*

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती *1-3*

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

जासूस स्कूल

परमेश्वर के राज्य की छान बीन

पदचिन्ह 3

राई का दाना

मत्ती 13:31–32

31 उस ने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया; कि स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बो दिया। 32 वह सब बीजों से छोटा तो है पर जब बढ़ जाता है तब सब साग पात से बड़ा होता है; और ऐसा पेड़ हो जाता है, कि आकाश के पक्षी आकर उस की डालियों पर बसेरा करते हैं।।

गुप्त संदेश

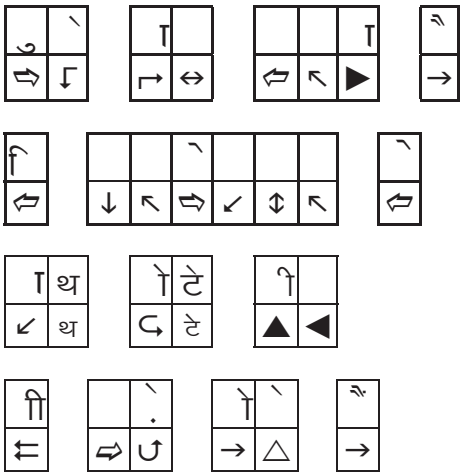

इस्राएली लोग क्या सोचते थे ? कि मसीह कैसे आयेगा ?

इस दृष्टान्त में राई का दाना किस को प्रस्तुत करता है ?

परमेश्वर का राज्य क्या है ?

आपके स्कूल में कितने मसीही हैं ?

भूलभुलैया

एक बीज से शुरू होकर एक बड़ा सा पेड़ बनने तक का रास्ता ढूंढों। अपने बीज को जल और धूप देना न भूलना!

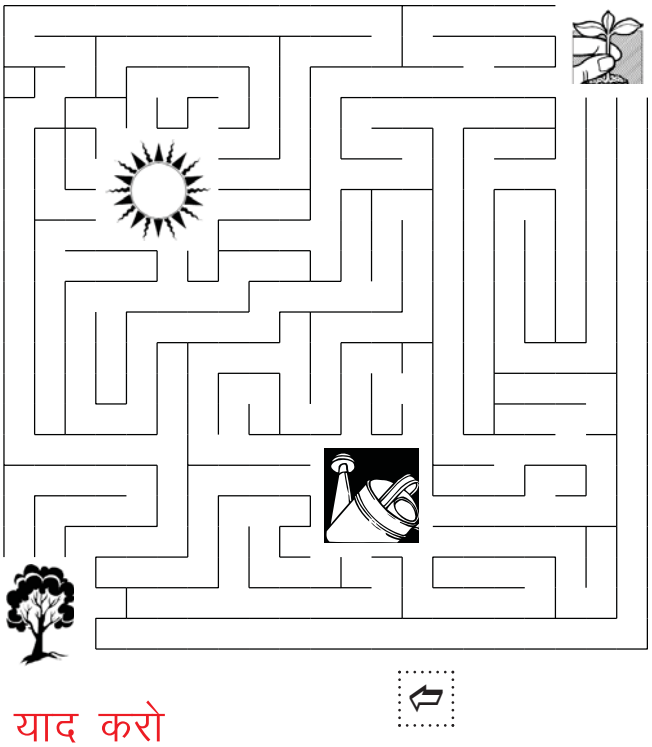

याद करो

स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है; वह सब बीजों से छोटा तो है पर जब बढ़ जाता है तब सब साग पात से बड़ा होता है; और ऐसा पेड़ हो जाता है। मत्ती 13:31ब–32अ

परमेश्वर आपसे प्यार करता है!

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती *7-9*

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती ***4-6***

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

जासूस

परमेश्वर के राज्य की छान बीन

पदचिन्ह 4

खमीर

मत्ती 13:33–35

33 उस ने एक और दृष्टान्त उन्हें सुनाया; कि स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिस को किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते होते वह सब खमीर हो गया।। 34 ये सब बातें यीशु ने दृष्टान्तों में लोगों से कहीं, और बिना दृष्टान्त वह उन से कुछ न कहता था। 35 कि जो वचन भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो कि मैं दृष्टान्त कहने को अपना मुंह खोलूंगाः मैं उन बातों को जो जगत की उत्पत्ति से गुप्त रही हैं प्रगट करूंगा।।

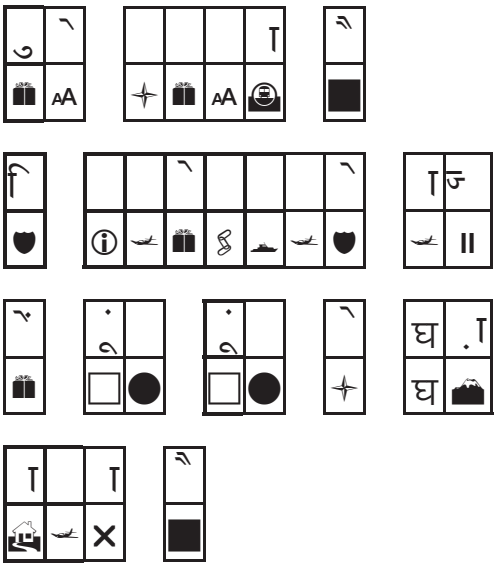

गुप्त संदेश

चाबी

याद करो

स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिस को किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते होते वह सब खमीर हो गया। मत्ती 13:33ब

शब्द ढूढ़ों

ब	अ	इ	द	उ	भ	वि	ष्य	व	क्त	ता
रा	ज्	य	क	ि	ह	यी	शु	ी	र	ा
क	ि	ह	ी	र	आ	ब	अ	इ	मि	ब
ज	स्	व	र्ग	म	टा	द	उ	ए	श्रि	अ
ल	त्री	न	प	व	च	दृ	ष्	टां	त	इ
भी	ब	द	आ	उ	ए	ण	क	ि	ह	द
ड	अ	इ	टा	र	ा	ग	ख	सृ	ष्टि	ह
अ	छु	पा	ि	ह	ी	ए	मी	ा	म	त
इ	द	प	र	मे	श	व	र	मुं	ह	ज
ब	उ	ए	ण	म	त	ज	ल	न	प	ल

दृष्टांत	स्त्री	मिश्रित	सृष्टि
राज्य	छुपा	आटा	मुंह
स्वर्ग	भीड	आटा	पाप
खमीर	यीशु	भविष्यवक्ता	परमेश्वर

आप महत्वपूर्ण हो!

परमेश्वर से परिपूर्ण (भरे) जीवन को कौन चाहता है ?

इसे किस प्रकार पूरा किया जा सकता है ?

वे बातें जो यीशु ने दृष्टान्तों द्वारा समझाई, कब से छिपी थीं ?

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती *10-12*

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती *7-9*

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

जासूस

परमेश्वर के राज्य की छान बीन

पदचिन्ह 5

गुप्त खज़ाना और मोती

मत्ती 13:44—46

44 स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने पाकर छिपा दिया, और मारे आनन्द के जाकर और अपना सब कुछ बेचकर उस खेत को मोल लिया।। 45 फिर स्वर्ग का राज्य एक व्यापारी के समान है जो अच्छे मोतियों की खोज में था। 46 जब उसे एक बहुमूल्य मोती मिला तो उस ने जाकर अपना सब कुछ बेच डाला और उसे मोल ले लिया।।

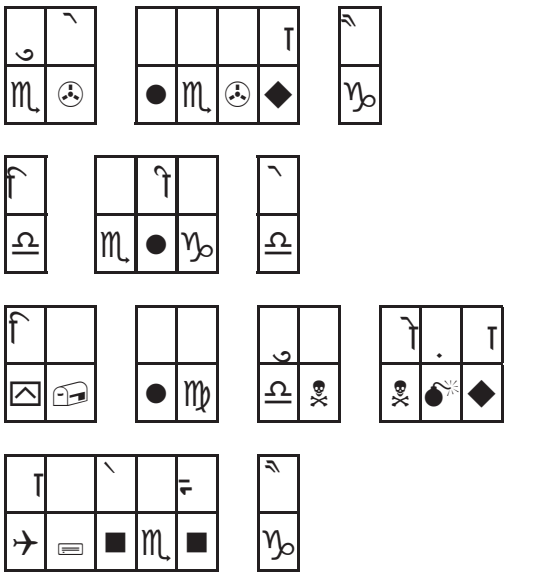

गुप्त संदेश

परमेश्वर की चीज़ें ढूंढों

गुप्त शब्द

धन कौन है? उत्तर जानने के लिए बिन्दुओं को रंग करो)।

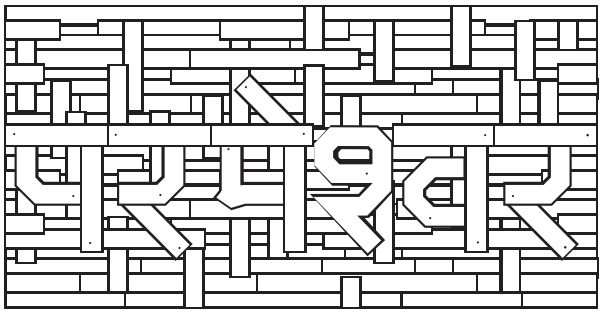

याद करो

फिर स्वर्ग का राज्य एक व्यापारी के समान है जो अच्छे मोतियों की खोज में था। जब उसे एक बहुमूल्य मोती मिला तो उस ने जाकर अपना सब कुछ बेच डाला और उसे मोल ले लिया। मत्ती 13:45—46

जो भी कुछ आपके पास है उस सब को खो देना क्यों उचित है ?

सब कुछ खोते हुए परमेश्वर के राज्य को पा लेना क्यों समझदारी की बात है ?

वह कौन सी दो विपरीत बातें हैं, जो बाइबल हमें दिखाती है ?

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती *13-14*

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती *10-12*

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पदचिन्ह 6

खोई हुई भेड़

मत्ती 18:10–14

12 तुम क्या समझते हो? यदि किसी मनुष्य की सौ भेड़ें हों, और उन में से एक भटक जाए, तो क्या निन्नानवे को छोड़कर, और पहाड़ों पर जाकर, उस भटकी हुई को न ढूंढ़ेगा? 13 और यदि ऐसा हो कि उसे पाए, तो मैं तुम से सच कहता हूं, कि वह उन निन्नानवे भेड़ों के लिये जो भटकी नहीं थीं इतना आनन्द नहीं करेगा, जितना कि इस भेड़ के लिये करेगा। 14 ऐसा ही तुम्हारे पिता की जो स्वर्ग में है यह इच्छा नहीं, कि इन छोटों में से एक भी नाश हो।

भूलभुलैया

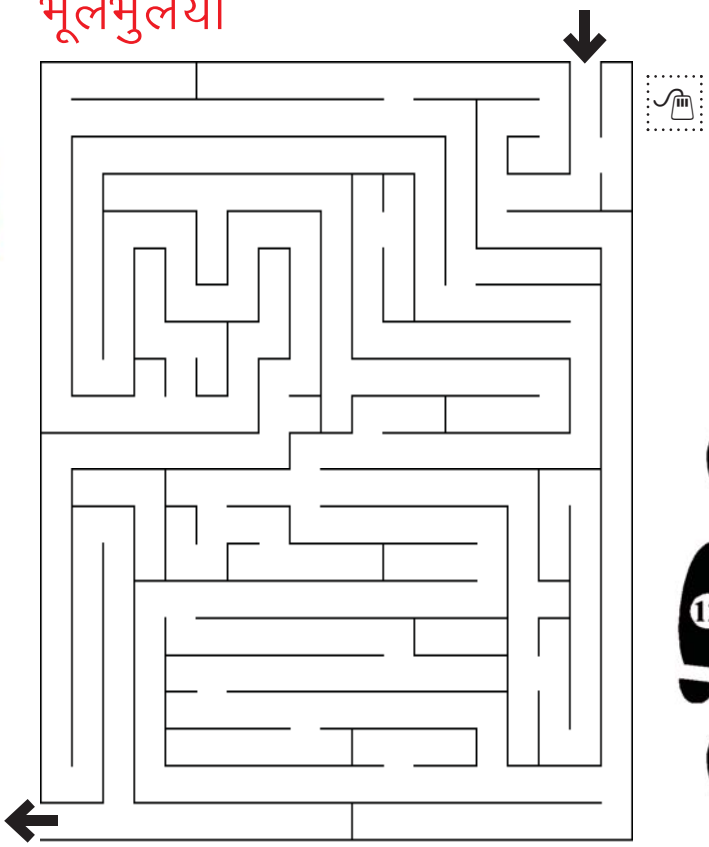

गुप्त संदेश

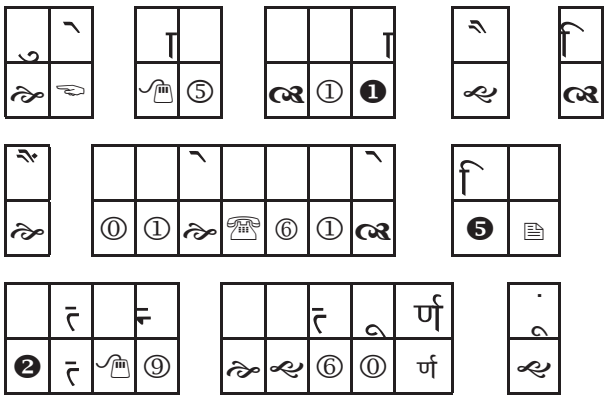

यदि आप परमेश्वर को छोड़ दें, तो वह क्या करेगा ?
परमेश्वर किनको विशिष्ट महत्व देता है ?

आपके आस–पास जो लोग आपसे छोटे हैं, परमेश्वर के लिए कौन अधिक महत्वपूर्ण है ?

आप अपने छोटे भाई–बहनों की किस प्रकार सहायता कर सकते हैं ?
इत्यादि) इस दृष्टान्त में लोगों को किसकी उपमा देकर प्रस्तुत किया गया है ?

परमेश्वर आपसे प्यार करते हैं

याद करो

ऐसा ही तुम्हारे पिता की जो स्वर्ग में है यह इच्छा नहीं, कि इन छोटों में से एक भी नाश हो। मत्ती 18:14

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती 15-16
☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती 13-14

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पदचिन्ह 7

निर्दयी सेवक

मत्ती 18:21–35

23 इसलिये स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है, जिस
ने अपने दासों से लेखा लेना चाहा। 24 जब वह लेखा लेने
लगा, तो एक जन उसके साम्हने लाया गया जो दस हजार
तोड़े धारता था। 25 जब कि चुकाने को उसके पास कुछ
न था, तो उसके स्वामी ने कहा, कि यह और इस की पत्नी
और लड़केबाले और जो कुछ इस का है सब बेचा जाए,
और वह कर्ज चुका दिया जाए। 26 इस पर उस दास ने
गिरकर उसे प्रणाम किया, और कहा; हे स्वामी, धीरज धर,
मैं सब कुछ भर दूंगा। 27 तब उस दास के स्वामी ने तरस
खाकर उसे छोड़ दिया, और उसका धार क्षमा किया। 28
परन्तु जब वह दास बाहर निकला, तो उसके संगी दासों में
से एक उस को मिला, जो उसके सौ दीनार धारता था; उस
ने उसे पकड़कर उसका गला घोंटा, और कहा; जो कुछ
तू धारता है भर दे। 29 इस पर उसका संगी दास गिरकर,
उस से बिनती करने लगा; कि धीरज धर मैं सब भर दूंगा।
30 उस ने न माना, परन्तु जाकर उसे बन्दीगृह में डाल
दिया; कि जब तक कर्ज को भर न दे, तब तक वहीं रहे।
31 उसके संगी दास यह जो हुआ था देखकर बहुत उदास
हुए, और जाकर अपने स्वामी को पूरा हाल बता दिया। 32
तब उसके स्वामी ने उस को बुलाकर उस से कहा, हे दुष्ट
दास, तू ने जो मुझ से बिनती की, तो मैं ने तो तेरा वह पूरा
कर्ज क्षमा किया। 33 सो जैसा मैं ने तुझ पर दया की, वैसे
ही क्या तुझे भी अपने संगी दास पर दया करना नहीं चाहिए
था? 34 और उसके स्वामी ने क्रोध में आकर उसे दण्ड
देनेवालों के हाथ में सौंप दिया, कि जब तक वह सब कर्जा
भर न दे, तब तक उन के हाथ में रहे। 35 इसी प्रकार यदि
तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो
मेरा पिता जो स्वर्ग में है, तुम से भी वैसा ही करेगा।।

राजा के सामने घुटने टेककर नौकर ने क्या कहा?

वाक्य को जानने के लिये, नीचे दिये हुए शब्दों मे से पहला और आखिरी शब्द काट दो।

हे ______ वा ______

~~अ~~ हे ~~ब~~ र स्वा मी ए

ज ______

प धी र ज म

र ______

ज ध र ल

इस दृष्टान्त का महत्वपूर्ण विषय क्या है?

दृष्टान्त के अनुसार, अगर हम माफ नहीं करेंगे तो क्या होगा?

जो हमें नाराज करते हैं उन्हें हमें कितनी बार माफ करना चाहिए?

जिन पापों को आप जानते हैं उनकी एक सूची बनाओ।

इन सभी पापों में से, यीशु सब दृष्टान्तों में किस पर अधिक जोर देकर कहता है ?

आप चाहें तो 13वें पाठ से दृष्टान्तों की सूची को देखें, और ध्यान केंद्रित करें कि दूसरे पापों पर इतना जोर नहीं दिया गया जितना कि इस में दिया गया है।

गुप्त संदेश

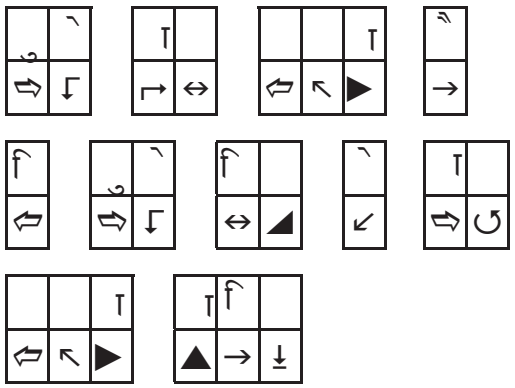

याद करो

तू ने जो मुझ से बिनती की, तो मैं ने तो तेरा वह पूरा कर्ज क्षमा किया। सो जैसा मैं ने तुझ पर दया की, वैसे ही क्या तुझे भी अपने संगी दास पर दया करना नहीं चाहिए था?
मत्ती 18:32ब–33

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती *17-18*

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती ***15-16***

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

जासूस

परमेश्वर के राज्य की छान बीन

पदचिन्ह 8

मज़दूर

मत्ती 20:1—16

1 स्वर्ग का राज्य किसी गृहस्थ के समान है, जो सबेरे निकला, कि अपने दाख की बारी में मजदूरों को लगाए। 2 और उस ने मजदूरों से एक दीनार राज पर ठहराकर, उन्हें अपने दाख की बारी में भेजा। 3 फिर पहर एक दिन चढ़े, निकलकर, और औरों को बाजार में बेकार खड़े देखकर, 4 उन से कहा, तुम भी दाख की बारी में जाओ, और जो कुछ ठीक है, तुम्हें दूंगा; सो वे भी गए। 5 फिर उस ने दूसरे और तीसरे पहर के निकट निकलकर वैसा ही किया। 6 और एक घंटा दिन रहे फिर निकलकर औरों को खड़े पाया, और उन से कहा; तु क्यों यहां दिन भर बेकार खड़े रहे? उन्हों ने उस से कहा, इसलिये, कि किसी ने हमें मजदूरी पर नहीं लगाया। 7 उस ने उन से कहा, तुम भी दा,ा की बारी में जाओ। 8 सांझ को दाख बारी के स्वामी ने अपने भण्डारी से कहा, मजदूरों को बुलाकर पिछलों से लेकर पहिलों तक उन्हें मजदूरी दे दे। 9 सो जब वे आए, जो घंटा भर दिन रहे लगाए गए थे, तो उन्हें एक एक दीनार मिला। 10 जो पहिले आए, उन्हों ने यह समझा, कि हमें अधि ाक मिलेगा; परन्तु उन्हें भी एक ही एक दीनार मिला। 11 जब मिला, तो वह गृहस्थ पर कुडकुड़ा के कहने लगे। 12 कि इन पिछलों ने एक ही घंटा काम किया, और तू ने उन्हें हमारे बराबर कर दिया, जिन्हों ने दिन भर का भार उठाया और घाम सहा?13 उस ने उन में से एक को उत्तर दिया, कि हे मित्रा, मैं तुझ से कुछ अन्याय नहीं करता; क्या तू ने मुझ से एक दीनार न ठहराया? 14 जो तेरा है, उठा ले, और चला जा; मेरी इच्छा यह है कि जितना तुझे, उतना ही इस पिछले को भी दूं। 15 क्या उचित नहीं कि मं अपने माल से जो चाहूं सो करूं? क्या तू मेरे भले होने के कारण बुरी दृष्टि से देखता है? 16 इसी रीति से जो पिछले हैं, वह पहिले होंगे, और जो पहिले हैं, वे पिछले होंगे।।

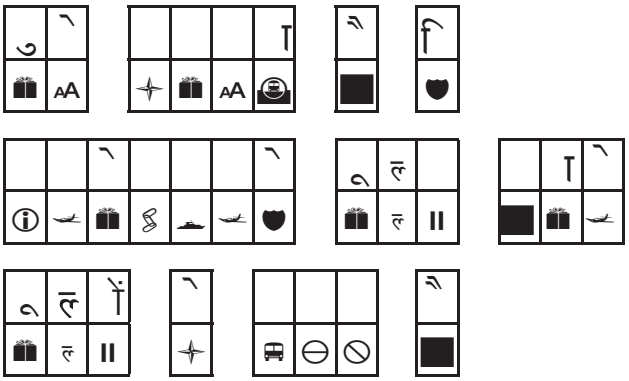

गुप्त संदेश

क्या इस धरती पर पूरा न्याय मिलेगा?

परमेश्वर क्या चाहता है कि हम अपने इस जीवन में करें?

क्या हम कुछ नहीं कर सकते?

क्या उद्धार के विभिन्न स्तर होते हैं?

जब हम देखते हैं कि परमेश्वर दूसरों को आशीष दे रहा है तो हमें उस समय क्या करना चाहिए

क्या वह व्यक्ति स्वर्ग में प्रवेश करेगा जिसने अपनी मृत्यु से एक हफ्ते पहले ही यीशु को ग्रहण किया हो?

संदेश को खोजने के लिए शब्दों को जोड़ें। (अक्षर क्रम से बाहर हैं। आप एक अक्षर का उपयोग करें और उसके बाद उस पर क्रॉस लगाएं।)

जी	ह
न जी व	मे ह शा

स	न	हो
ल र स	हीं न	ता हो

याद करो

जो पिछले हैं वह पहिले होंगे, और जो पहिले हैं, वे पिछले होंगे। मत्ती 20:16

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती *19-20*

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती ***17-18***

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पदचिन्ह 9

दो पुत्र

मत्ती 21:28–32

28 तुम क्या समझते हो? किसी मनुष्य के दो पुत्र थे; उस ने पहिले के पास जाकर कहा; हे पुत्र आज दाख की बारी में काम कर। 29 उस ने उत्तर दिया, मैं नहीं जाऊंगा, परन्तु पीछे पछता कर गया। 30 फिर दूसरे के पास जाकर ऐसा ही कहा, उस ने उत्तर दिया, जी हां जाता हूं, परन्तु नहीं गया। 31 इन दोनों में से किस ने पिता की इच्छा पूरी की? उन्हों ने कहा, पहिले नेः यीशु ने उन से कहा, मैं तुम से सच कहता हूं, कि महसूल लेनेवाले और वेश्या तुम से पहिले परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करते हैं। 32 क्योंकि यूहन्ना धर्म के मार्ग से तुम्हारे पास आया, और तुम ने उस की प्रतीति न कीः पर महसूल लेनेवालों और वेश्याओं ने उस की प्रतीति कीः और तुम यह देखकर पीछे भी न पछताए कि उस की प्रतीति कर लेते।।

गुप्त संदेश

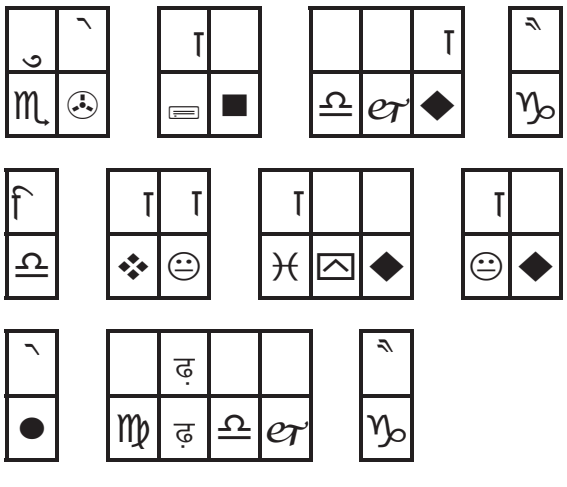

भूलभुलैया

दो बेटों को खेत में जाने में सहायता करो।

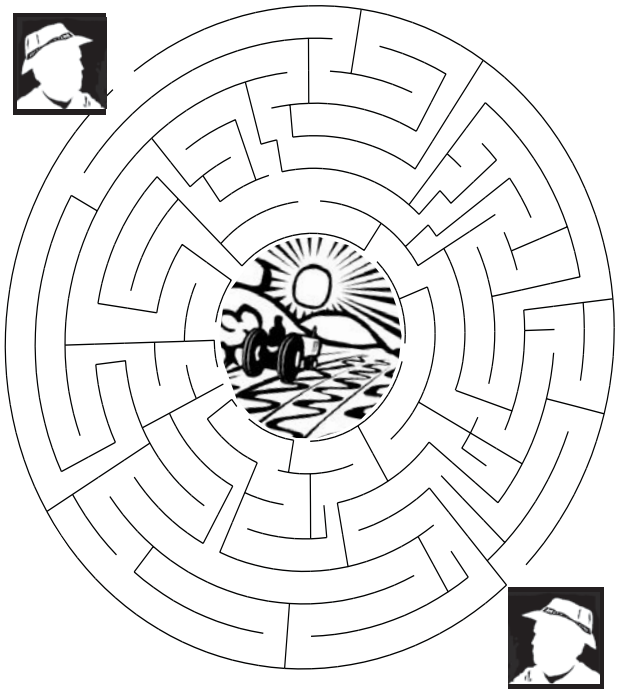

वे कौन है जो खेत में नही जाना चाहते परन्तु पश्चाताप करते हैं और फिर जाते हैं?
उनमें से वे कौन है जो प्रभु को ''हाँ'' कहते हैं' किन्तु उसके खेत में नही जाते?
इसका क्या अर्थ है, कि ''खेत में जाओ''?
आप तब क्या करेंगे, जब यदि आप को यह आभास होता है, कि आपने आज्ञा नही मानी और खेत में नही गये?
क्या प्रभु के लिये महत्वपूर्ण है कि हम उस पर विश्वास करें और आज्ञा मानें

याद करो

क्योंकि यूहन्ना धर्म के मार्ग से तुम्हारे पास आया, और तुम ने उस की प्रतीति न कीः पर महसूल लेनेवालों और वेश्याओं ने उस की प्रतीति कीः और तुम यह देखकर पीछे भी न पछताए कि उस की प्रतीति कर लेते। मत्ती 21:32

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती *21-22*

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती ***19-20***

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

जासूस

परमेश्वर के राज्य की छान बीन

चाबी

📄 ✋ ☎ ☜ ১০ ০২ ① ③ ⑤ ✋ ⑥ ⑦ ☒ ⑨ ❶ ❷ ❹ ❺ ☝ ☟ ☝ ⓿ ➔

पदचिन्ह 10

किसान

मत्ती 21:33–45

33एक और दृष्टान्त सुनो: एक गृहस्थ था, जिस ने दाख की बारी लगाई; और उसके चारों ओर बाड़ा बान्धा; और उस मे रस का कुंड खोदा; और गुम्मट बनाया; और किसानों को उसका ठीका देकर परदेश चला गया। 34 जब फल का समय निकट आया, तो उस ने अपने दासों को उसका फल लेने के लिये किसानों के पास भेजा। 35 पर किसानों ने उसके दासों को पकड़ के, किसी को पीटा, और किसी को मार डाला; और किसी को पत्थरवाह किया। 36 फिर उस ने और दासों को भेजा, जो पहिलों से अधिक थे; और उन्हों ने उन से भी वैसा ही किया। 37 अन्त में उस ने अपने पुत्र को उन के पास यह कहकर भेजा, कि वे मेरे पुत्र का आदर करेंगे। 38 परन्तु किसानों ने पुत्र को देखकर आपस में कहा, यह तो वारिस है, आओ, उसे मार डालें: और उस की मीरास ले लें। 39 और उन्हों ने उसे पकड़ा और दाख की बारी से बाहर निकालकर मार डाला। 40 इसलिये जब दाख की बारी का स्वामी आएगा, तो उन किसानों के साथ क्या करेगा? 41 उन्होंने उस से कहा, वह उन बुरे लोगों को बुरी रीति से नाश करेगा; और दाख की बारी का ठीका और किसानों को देगा, जो समय पर उसे फल दिया करेंगे। 42 यीशु ने उन से कहा, क्या तुम ने कभी पवित्र शास्त्रा में यह नहीं पढ़ा, कि जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था, वही कोने के सिरे का पत्थर हो गया?

याद करो

इसलिये मैं तुम से कहता हूं, कि परमेश्वर का राज्य तुम से ले लिया जाएगा; और ऐसी जाति को जो उसका फल लाए, दिया जाएगा। मत्ती 21:43

③

कि	ट	ट	ठ	छ	ड	व	९	बे	टा	ळ	¥	दा
सा	ह	ज	ा	प	त	पौ	धा	ब	अ	इ	¥	ख
न	ी	मीं	मा	र	ना	प	व	द	उ	ए	ट	की
अ	र	दा	म	मे	ज	ल	न	वि	ह	ी	ज	बा
इ	प	र	मे	श	व	र	का	रा	ज	य	ल	री
द	ट	नौ	क	र	¥	श्र	ळ	स	¥	मा	न	९
उ	थ	द	इ	इ	ब	वा	९	त	ळ	रे	¬	व
क	रा	द	उ	ए	अ	रि	फ	व	¥	ग	व	९
ि	व	क	ि	ह	फ	स	ल	ज्ञ	श्र	ए	ळ	¥

शब्द ढूंढ़ों

जमींदार
विरासत
दाख की बारी
फसल
नौकर
किसान
पौधा
फल
परमेश्वर का राज्य
सम्मान
पत्थराव
मारे गए
मारना
बेटा
वारिस
परमेश्वर

गुप्त संदेश

ु	े
০২	☜

		े			
⓪	①	০২	☎	⑥	①

ो
⓿

ि	खा	ा
③	खा	⑨

ँ
০২

उ	े
उ	③

ट		ा	
✋	⑥	০২	①

ॅ
০২

ा	ा
❺	❶

ा	ि	
⑦	০২	📄

पिता कौन है?
किसान कौन है?
सेवक कौन है?
बेटा कौन है?

हम अपने जीवन में कौन सा फल ला सकते हैं?

यदि हमारे जीवन में फल नही होगा तो परमेश्वर क्या करेगा?

परमेश्वर के अंगुली के निशान

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती *23-24*

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती *21-22*

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पदचिन्ह 11

विवाह भोज

मत्ती 22:1–14

1 इस पर यीशु फिर उन से दृष्टान्तों में कहने लगा। 2 स्वर्ग का राज्य
उस राजा के समान है, जिस ने अपने पुत्र का ब्याह किया। 3 और उस ने
अपने दासों को भेजा, कि नेवताहारियों को ब्याह के भोज में बुलाएं; परन्तु
उन्हों ने आना न चाहा। 4 फिर उस ने और दासों को यह कहकर भेजा,
कि नेवताहारियों से कहो, देखो; मैं भोज तैयार कर चुका हूं, और मेरे बैल
और पले हुए पशु मारे गए हैं: और सब कुछ तैयार है; ब्याह के भोज में
आओ। 5 परन्तु वे बेपरवाई करके चल दिए: कोई अपने खेत को, कोई
अपने ब्योपार को। 6 औरों ने जो बच रहे थे उसके दासों को पकड़कर
उन का अनादर किया और मार डाला। 7 राजा ने क्रोध किया, और अपनी
सेना भेजकर उन हत्यारों को नाश किया, और उन के नगर फूंक दिया।
8 तब उस ने अपने दासों से कहा, ब्याह का भोज तो तैयार है, परन्तु
नेवताहारी योग्य न ठहरे। 9 इसलिये चौराहों में जाओ, और जितने लोग
तुम्हें मिलें, सब को ब्याह के भोज में बुला लाओ। 10 सो उन दासों ने
सड़कों पर जाकर क्या बुरे, क्या भले, जितने मिले, सब को इकट्ठे किया;
और ब्याह का घर जेवनहारों से भर गया। 11 जब राजा जेवनहारों के
देखने को भीतर आया; तो उस ने वहां एक मनुष्य को देखा, जो ब्याह का
वस्त्रा नहीं पहिने था।

भूलभुलैया

मछुआरे की मदद करो कि वह मछली को छोड़कर, शादी में जाएं।

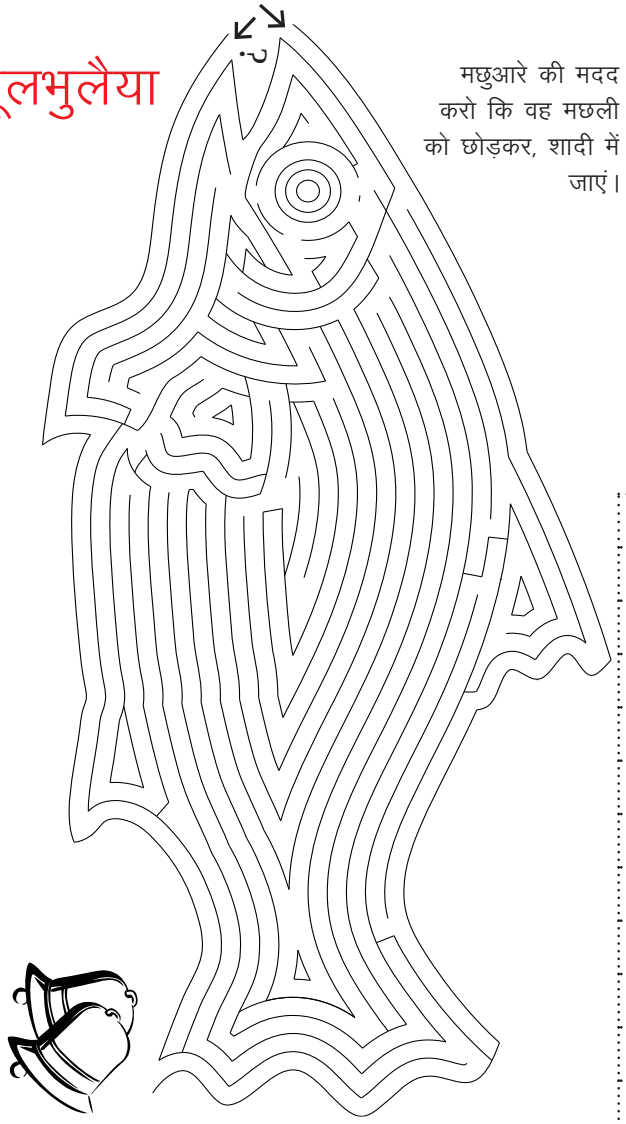

गुप्त संदेश

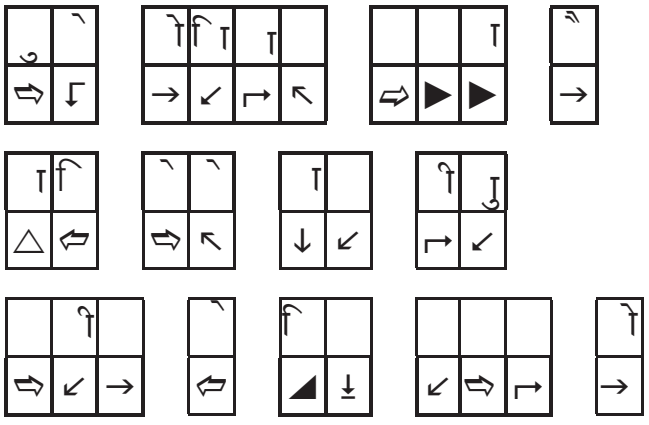

कौन शादी के लिए आमंत्रित किये गये है?

क्या परमेश्वर के लिए व्यस्त होना संभव है? कैसे?

चुने हुए लोग कौन थे?

क्या आप निमंत्रण को स्वीकार करेंगे?

याद करो

इसलिये चौराहों में जाओ, और जितने लोग तुम्हें मिलें, सब को ब्याह के भोज में बुला लाओ। सो उन दासों ने सड़कों पर जाकर क्या बुरे, क्या भले, जितने मिले, सब को इकट्ठे किया; और ब्याह का घर जेवनहारों से भर गया। मत्ती 22:9–10

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती *25-26*

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती *23-24*

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पदचिन्ह 12

दस कुंवारियां

मत्ती 25:1—13

तब स्वर्ग का राज्य उन दस कुंवारियों के समान होगा जो अपनी मशालें लेकर दूल्हे से भेंट करने को निकलीं। 2 उन में पांच मूर्ख और पांच समझदार थीं। 3 मूर्खों ने अपनी मशालें तो लीं, परन्तु अपने साथ तेल नहीं लिया। 4 परन्तु समझदारों ने अपनी मशालों के साथ अपनी कुप्पियों में तेल भी भर लिया। 5 जब दुल्हे के आने में देर हुई, तो वे सब ऊंघने लगीं, और सो गई। 6 आधी रात को धूम मची, कि देखो, दूल्हा आ रहा है, उस से भेंट करने के लिये चलो। 7 तब वे सब कुंवारियां उठकर अपनी अपनी मशलें ठीक करने लगीं। 8 और मूर्खों ने समझदारों से कहा, अपने तेल में से कुछ हमें भी दो, क्योंकि हमारी मशालें बुझी जाती हैं। 9 परन्तु समझदारों ने उत्तर दिया कि कदाचित हमारे और तुम्हारे लिये पूरा न हो; भला तो यह है, कि तुम बेचनेवालों के पास जाकर अपने लिये मोल ले लो। 10 जब वे मोल लेने को जा रही थीं, तो दूल्हा आ पहुंचा, और जो तैयार थीं, वे उसके साथ ब्याह के घर में चलीं गई और द्वार बन्द किया गया। 11 इसके बाद वे दूसरी कुंवारियां भी आकर कहने लगीं, हे स्वामी, हे स्वामी, हमारे लिये द्वार खोल दे। 12 उस ने उत्तर दिया, कि मैं तुम से सच कहता हूं, मैं तुम्हें नहीं जानता। 13 इसलिये जागते रहो, क्योंकि तुम न उस दिन को जानते हो, न उस घड़ी को।।

दू	ह	आ	धी	रा	त	६	मू	क	थ	रा
ल	ट	ठ	छ	ड	ए	ण	र्ख	ळ	भ	ज
हा	ग	ह	पाँ	च	श्र	ज्ञ	म	त	ज	य
क	नीं	ट	ठ	छ	ड	दी	प	क	ल	न
थ	द	स	स	व	र्ग	ह	ट	ठ	छ	बु
ळ	थ	ळ	भ	श्र	ज्ञ	दि	ड	ए	ण	द्धि
भ	क	द	र	वा	जा	न	ना	क	थ	मा
श्र	ज्ञ	स	य	ह	ग	ळ	भ	श्र	ज्ञ	न
ते	ल	ठ	छ	ड	ना	स	म	घ	ड़ी	त
ह	ट	प्र	भु	ज	ल	न	प	ट	च	ख

शब्द ढूंढ़ों

राज्य
मूर्ख
आधी रात
स्वर्ग
जागना
घड़ी
प्रभु
दीपक
पाँच
बुद्धिमान
नींद
जानना
दूल्हा
दरवाजा
दस
दिन
तेल

गुप्त संदेश

वे कुंवारियां कौन हैं?

दूल्हा कौन है?

मसीह के आगमन की तारीख कौन जानता है?

मसीह के आगमन की तैयारी के लिए आप क्या कर सकते हैं?

एक व्यक्ति जो जागा हुआ हो वह क्या करता है?

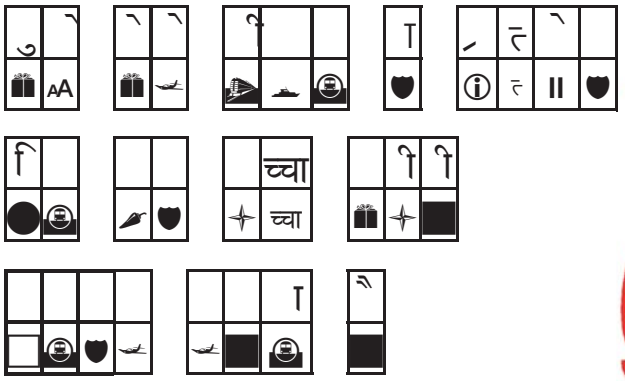

याद करो

इसलिये जागते रहो, क्योंकि तुम न उस दिन को जानते हो, न उस घड़ी को। मत्ती 25:13

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती *27-28*

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती *25-26*

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पदचिन्ह 13

सोने के सिक्के

मत्ती 25:14–30

14 क्योंकि यह उस मनुष्य की सी दशा है जिस ने परदेश को
जाते समय अपने दासों को बुलाकर, अपनी संपत्ति उन को सौंप
दी। 15 उस ने एक को पांच तोड़, दूसरे को दो, और तीसरे
को एक; अर्थात् हर एक को उस की सामर्थ के अनुसार दिया,
और तब परदेश चला गया। 16 तब जिस को पांच तोड़े मिले
थे, उस ने तुरन्त जाकर उन से लेन देन किया, और पांच तोड़े
और कमाए। 17 इसी रीति से जिस को दो मिले थे, उस ने
भी दो और कमाए। 18 परन्तु जिस को एक मिला था, उस ने
जाकर मिट्टी खोदी, और अपने स्वामी के रूपये छिपा दिए। 19
बहुत दिनों के बाद उन दासों का स्वामी आकर उन से लेखा
लेने लगा। 20 जिस को पांच तोड़े मिले थे, उस ने पांच तोड़े
और लाकर कहा; हे स्वामी, तू ने मुझे पांच तोड़े सौंपे थे, देख
मैं ने पांच तोड़े और कमाए हैं। 21 उसके स्वामी ने उससे कहा,
धन्य है अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य
रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊंगा अपने स्वामी
के आनन्द में सम्भागी हो। 22 और जिस को दो तोड़े मिले
थे, उस ने भी आकर कहा; हे स्वामी तू ने मुझे दो तोड़े सौंपे
थे, देख, मैं ने दो तोड़े और कमाएं। 23 उसके स्वामी ने उस
से कहा, धन्य हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में
विश्वासयोग्य रहा, मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊंगा
अपने स्वामी के आनन्द में सम्भागी हो। 24 तब जिस को एक
तोड़ा मिला था, उस ने आकर कहा; हे स्वामी, मैं तुझे जानता
था, कि तू कठोर मनुष्य है, और जहां नहीं छीटता वहां से
बटोरता है। 25 सो मैं डर गया और जाकर तेरा तोड़ा मिट्टी
में छिपा दिया; देख, जो तेरा है, वह यह है। 26 उसके स्वामी
ने उसे उत्तर दिया, कि हे दुष्ट और आलसी दास; जब यह तू
जानता था, कि जहां मैं ने नहीं बोया वहां से काटता हूं; और
जहां मैं ने नहीं छीटा वहां से बटोरता हूं।

याद करो

धन्य है अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊंगा अपने स्वामी के आनन्द में सम्भागी हो। मत्ती 25:21ब

चाबी →

संदेश को खोजने के लिए शब्दों को जोड़ें।

- यी ______ (शु यी)
- आ ______ (प आ को)
- खा ______ (ली खा)
- बै ______ (ठे बै)
- हु ______ (ए हु)
- औ ______ (र औ)
- कु ______ (छ कु)
- भी
- न ______ (हीं न)
- क ______ (ते क र)
- हु ______ (ए हु)
- ना पा ______ (एं पा)

गुप्त संदेश

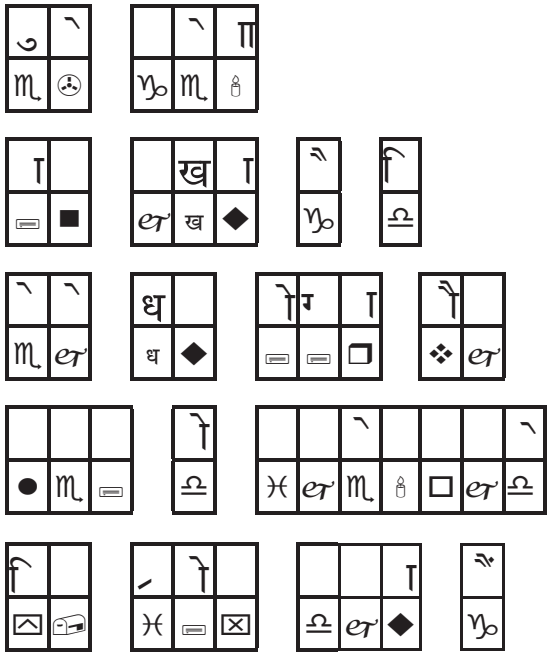

प्रभु ने हमें कितने प्रकार के "सोने के सिक्के" दिये हैं?

आप एक मसीही होने के नाते क्या आपका कार्य महत्वपूर्ण है?
क्यों?
क्या आप अपने कार्यों की तुलना दूसरों से कर सकते हैं?
क्या होगा, जब हम प्रभु के दिये चीज़ों से दुगुना फल लायेंगे?

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती *27-28*

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

Detectives Advanced
Hindi

10641

www.ChildrenAreImportant.com
info@childrenareimportant.com
We are located in Mexico.
DK Editorial Pro-Visión A.C.

बच्चें
महत्वपूर्ण है